11th Convocation of the University

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 09-03-2025**

हकेवि में 49 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 1426 विद्यार्थियों को मिलीं उपाधि

'आज के युवाओं पर है कल के भारत निर्माण का दायित्व'

महेन्द्रगढ़/नारनौल, 8 मार्च (हप्र/निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में आज 11वें दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मुख्यातिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी व विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्य ममता यादव व पिडिलाइट इंडस्ट्रीज के निखिल माथुर शामिल हुए। प्रो. नीलिमा गुप्ता ने डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में अर्जित ज्ञान का उपयोग समाज की सेवा के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कल के भारत के निर्माण का दायित्व आज के युवाओं पर है। ममता यादव ने विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र के लिए विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने के लिए तैयार करने में शैक्षणिक संस्थान के महत्व पर जोर दिया। विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रो. टंकेशवर ने महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारत के निर्माण में महिला शक्ति का अहम योगदान होने वाला है। विश्वविद्यालय में भी विद्यार्थियों में लगभग 50 प्रतिशत छात्राएं हैं। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद् व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक व वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार मौजूद रहे।

महेन्द्रगढ़ के हकेवि में विद्यार्थियों को डिग्री देतीं मुख्यातिथि प्रो. नीलिमा व अन्य। -हप्र

811 को मिली डिग्री

समारोह में कुल 1381 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां दी गईं। साथ ही 49 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत 570 तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 811 विद्यार्थियों को डिग्री दी गई। इसमें 49 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। वहीं 1426 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 779 छात्र और 647 छात्राएं शामिल हैं।

दैनिक ट्रिब्यून Sun, 09 March 2025
https://epaper.dainiktribuneonline.com/c/76945496

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 09-03-2025**

आज के युवाओं पर है कल के भारत के निर्माण का दायित्व : प्रो. नीलिमा गुप्ता

- 49 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 1426 विद्यार्थियों को मिली पीएच.डी., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

नीरज कौशिक

हकेवि के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में प्रो. नीलिमा गुप्ता को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति।

हकेवि के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह स्वर्ण पदक प्रदान करतीं प्रो. नीलिमा गुप्ता।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह का आयोजन 08 मार्च को हुआ। इस अवसर पर डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्य सुश्री ममता यादव व पिडिलाइट इंडस्ट्रीज के श्री निखिल माथुर दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद् व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक व वित्त अधिकारी भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. नीलिमा गुप्ता ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें अपने सपनों को साकार करने और समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्राप्त ज्ञान को चुने हुए क्षेत्रों में सर्वोत्तम तरीके से लागू किया जाना चाहिए। प्रो. गुप्ता ने कहा कि अर्जित ज्ञान का उपयोग समाज की सेवा के लिए भी किया जाना चाहिए। उन्होंने भविष्य को आकार देने में शिक्षा के महत्त्व पर भी जोर दिया और विद्यार्थियों से राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए अपने ज्ञान का उपयोग करने का आग्रह किया। प्रो. गुप्ता ने कहा कल के भारत के निर्माण का दायित्व आज के युवाओं के कंधों पर है। उन्होंने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की प्रगति पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय वर्ष 2009 में स्थापित अन्य विश्वविद्यालयों की तुलना में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है।

आयोजन में विशिष्ट अतिथि सुश्री ममता यादव ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र के लिए विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने के लिए तैयार करने में शैक्षणिक संस्थान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि किस तरह हरियाणा के युवा विभिन्न क्षेत्रों में इसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसी क्रम में दूसरे विशिष्ट अतिथि श्री निखिल माथुर ने विद्यार्थियों को नए विचारों और समाधानों को अपनाकर अपने-अपने क्षेत्रों में आगे रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति ने दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. नीलिमा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि सुश्री ममता यादव व श्री निखिल माथुर सहित सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में नए अध्याय की शुरूआत करेगा। कुलपति ने सभी शिक्षकों को भी उनकी मेहनत के लिए बधाई दी। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारत के निर्माण में महिला शक्ति का अहम योगदान होने वाला है। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों में लगभग 50 प्रतिशत छात्राएं हैं। कुलपति ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम है। हम कर्मयोगी बनकर विकसित भारत का सपना साकार कर सकते हैं। कुलपति ने कहा कि हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व ह्यूमन इंटेलिजेंस दोनों का सही प्रयोग करके तकनीक के क्षेत्र में अग्रणी देश बन सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के सपनों को पूर्ण करने एवं सामर्थ्य प्रदान करने में सहयोगी बने उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई दी।

कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के 2365 से अधिक शोध-पत्र स्कोपस एवं वेब ऑफ साइंस पर उपलब्ध हैं और विश्वविद्यालय का एच इंडेक्स 65 है जो कि इसे देश के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की श्रेणी में खड़ा करता है। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के सहयोग से 31 रिसर्च प्रोजेक्ट्स पर कार्य कर रहा है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय में शोध के विकास हेतु मैट्रो लैब, ईवी लैब, 5जी लैब की स्थापना भी की गई है। संसाधनों के विकास के स्तर पर विश्वविद्यालय को केंद्र सरकार से 273.47 करोड़ रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ है। साथ ही साथ विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को देखते हुए वर्ष 2024 में फिक्की द्वारा एमर्जिंग यूनिवर्सिटी ऑफ द ईयर का अवार्ड दिया गया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा के तीन पाठ्यक्रमों की भी शुरूआत हो गई है। इसके माध्यम से नियमित विद्यार्थियों के साथ-साथ पत्राचार के माध्यम से नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

हकेवि के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में कुल 1381 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की गईं। साथ ही 49 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 09-03-2025**

ग्यारहवां दीक्षांत समारोह : स्वर्ण पदक पाकर खिले होनहारों के चेहरे

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में शनिवार को आयोजित ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की खुशी देखते ही बन रही थी। मेहनत का फल कैसा होता है। यह उनके दमकते चेहरों को देखकर सहज ही पता चल रहा था। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग थी। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग विभाग के अब्दुल ने कहा कि यह मेरे लिए बेहद खुशी का पल है। मैं अपने विभाग और सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त करता हूं, विशेष रूप से डॉ. अशोक कुमार और डॉ. नीरज करन सिंह का, जिनका मार्गदर्शन हमेशा मिला। फिलहाल, मैं कैराली न्यूज, दिल्ली से जुड़ा हुआ हूं। मेरा मानना है कि पढ़ाई के साथ-साथ कैंपस के हर पल का आनंद लेना भी उतना ही जरूरी है। संस्कृत विभाग के दीपक वशिष्ठ ने कहा कि यह सफलता मेरे लिए अपेक्षित थी। मेरे प्रोफेसर डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत मेरे प्रेरणा स्रोत रहे हैं। मैं मानता हूं कि यदि शुरूआत से ही लक्ष्य तय कर लिया जाए, तो सफलता निश्चित होती है। फिलहाल, मैं बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से पीएचडी कर रहा हूं। साख्यिकी विभाग की रेणु कुमारी ने कहा कि यह मेरे लिए गर्व का क्षण था। फिलहाल, मैं केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा से पीएचडी कर रही हूं। मेरा मानना है कि महिलाओं को अपने लक्ष्य की ओर बिना रुके बढ़ते रहना चाहिए, आज के समय में महिलाओं के पास ढेरों विकल्प हैं और स्वतंत्रता है। गणित विभाग की निकिता शर्मा ने बताया कि गणित में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना मेरे लिए जीवन के सबसे खास पलों में से एक है। यह उपलब्धि मेरी कड़ी मेहनत, माता-पिता और दोस्तों के सहयोग का परिणाम है। मेरी प्रेरणा का स्रोत आईएएस टीना डाबी हैं, जिनसे मैंने निरंतर प्रयास और धैर्य सीखा है। मेरा मानना है कि नियमित और एकाग्र अध्ययन ही सफलता की कुंजी है। रसायन विज्ञान विभाग की चेतना सैनी ने कहा कि उन्होंने नेट और गेट क्वालिफाइड किया है। वर्तमान में आईआईटी रुड़की से पीएचडी कर रही हैं। शुरूआत में टॉपर बनने का सपना नहीं था, लेकिन एकेडमिक्स में रुचि बढ़ती गई। कल्पना चावला से प्रेरित चेतना मानती हैं कि सही दिशा न मिलने पर भी सकारात्मक दृष्टिकोण से सफलता संभव है।

अब्दुल।

दीपक वशिष्ठ।

रेणु कुमारी।

निकिता शर्मा।

चेतना सैनी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 09-03-2025**

भारत निर्माण की जिम्मेदारी युवाओं पर

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोलीं प्रो. नीलिमा गुप्ता

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के 11वें दीक्षांत समारोह में 1426 विद्यार्थियों को पीएचडी व स्नातक तथा स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की गई। डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता मुख्य अतिथि रहीं।

49
विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक

विशिष्ट अतिथि हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्य ममता यादव व पिडिलाइट इंडस्ट्रीज के निखिल माथुर दीक्षांत समारोह में शामिल हुए।

हकेंवि के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में 1381 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां दी गईं। 49 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत 570 तथा स्नातकोत्तर

हकेंवि के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह स्वर्ण पदक प्रदान करतीं प्रो. नीलिमा गुप्ता। स्रोत : हकेंवि

1426 छात्रों को मिली पीएचडी स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

पाठ्यक्रमों में 811 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। इसमें 49 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। 1426 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 779 छात्र और 647 छात्राएं शामिल हैं।

प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विद्यार्थियों को शुभकामना दी। कहा कि भारत के निर्माण का दायित्व युवाओं के कंधों पर है। आयोजन में विशिष्ट अतिथि ममता यादव ने विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र के लिए विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने के लिए तैयार करने में शैक्षणिक संस्थान के महत्व पर जोर दिया। दूसरे विशिष्ट अतिथि श्री निखिल माथुर ने विद्यार्थियों को नए विचारों और समाधानों को अपनाकर अपने-अपने क्षेत्रों में आगे रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में नए अध्याय की शुरुआत करेगा। भारत के निर्माण में महिला शक्ति का अहम योगदान होने वाला है विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों में लगभग 50 प्रतिशत छात्राएं हैं। कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि शोध के विकास के लिए मेट्रो लैब, ईवी लैब, 5जी लैब की स्थापना की गई है। संसाधनों के विकास के स्तर पर विश्वविद्यालय को केंद्र सरकार से 273.47 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा के तीन पाठ्यक्रमों की भी शुरुआत हो गई है।

हिंदी अनुवाद में स्वर्ण पदक प्राप्त करना गर्व की बात है। लक्ष्य है कि अनुवाद के क्षेत्र में और अधिक शोध कर हिंदी भाषा को वैश्विक स्तर पर मजबूत बनाने में योगदान करूं। यह सम्मान प्रेरित करेगा
- एकता यादव

राजनीतिक विज्ञान विभाग से स्वर्ण पदक प्राप्त करना बेहद खास है। कभी भी किताबी कीड़ा नहीं रही, लेकिन परीक्षा से कुछ दिन पहले पूरा ध्यान लगाकर पढ़ाई की। **- तान्या, राजनीतिक विज्ञान विभाग**

कोर्स का नाम रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, जो एक वोकेशनल कोर्स है। इस कोर्स के दौरान प्रैक्टिकल अनुभव और थ्योरी दोनों का बेहतरीन संतुलन मिला। **- प्रशंसा कुमारी, स्वर्ण पदक विजेता।**

रेणु कुमारी ने कहा कि यह गर्व का क्षण था। केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा से पीएचडी कर रही हूं। मेरा मानना है कि महिलाओं को लक्ष्य की ओर बिना रुके बढ़ते रहना चाहिए। **- रेनू कुमारी, स्वर्ण पदक विजेता, सांख्यिकी विभाग**

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 09-03-2025**

भास्कर खास दीक्षांत समारोह • स्वर्ण पदक पाकर खिले चेहरे...

किसी ने गुरुजनों को दिया श्रेय, किसी ने परिवार के योगदान को बताया महत्वपूर्ण

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में शनिवार को आयोजित ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की खुशी देखते ही बन रही थी। मेहनत का फल कैसा होता है। यह उनके दमकते चेहरों को देखकर सहज ही पता चल रहा था। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग थी। संस्कृत विभाग के दीपक वशिष्ठ ने कहा कि यह सफलता मेरे लिए अपेक्षित थी। मेरे प्रोफेसर डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत मेरे प्रेरणा स्रोत रहे हैं। मैं मानता हूं कि यदि शुरुआत से ही लक्ष्य तय कर लिया जाए, तो सफलता निश्चित होती है। फिलहाल, मैं बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से पीएचडी कर रहा हूं।

सकारात्मक दृष्टिकोण से सफलता संभव है : चेतना

रसायन विज्ञान विभाग की चेतना सैनी ने कहा कि उन्होंने नेट और गेट क्वालिफाइड किया है। वर्तमान में आईआईटी रुड़की से पीएचडी कर रही हैं। शुरुआत में टॉपर बनने का सपना नहीं था, लेकिन एकेडमिक्स में रुचि बढ़ती गई। कल्पना चावला से प्रेरित चेतना मानती हैं कि सही दिशा न मिलने पर भी सकारात्मक दृष्टिकोण से सफलता संभव है।

बेहद खुशी का पल : अब्दुल

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग विभाग के अब्दुल ने कहा कि यह मेरे लिए बेहद खुशी का पल है। मैं अपने विभाग और सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त करता हूं, विशेष रूप से डॉ. अशोक कुमार और डॉ. नीरज करन सिंह का, जिनका मार्गदर्शन हमेशा मिला।

नियमित और एकाग्र अध्ययन ही सफलता की कुंजी : निकिता

गणित विभाग की निकिता शर्मा ने बताया कि गणित में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना मेरे लिए जीवन के सबसे खास पलों में से एक है। यह उपलब्धि मेरी कड़ी मेहनत, माता-पिता और दोस्तों के सहयोग का परिणाम है। मेरी प्रेरणा का स्रोत आईएएस टीना डाबी हैं, जिनसे मैंने निरंतर प्रयास और धैर्य सीखा है। मेरा मानना है कि नियमित और एकाग्र अध्ययन ही सफलता की कुंजी है।

लक्ष्य की ओर बिना रुके बढ़ते रहना चाहिए : रेणु

सांख्यिकी विभाग की रेणु कुमारी ने कहा कि यह मेरे लिए गर्व का क्षण था। फिलहाल, मैं केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा से पीएचडी कर रही हूं। महिलाओं को लक्ष्य की ओर बिना रुके बढ़ते रहना चाहिए, आज के समय में महिलाओं के पास ढेरों विकल्प हैं और स्वतंत्रता है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 09-03-2025**

आज के युवाओं पर है विकसित भारत के निर्माण का दायित्व : प्रो . नीलिमा गुप्ता

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के ग्यारहवें दीक्षा समारोह का आयोजन आठ मार्च को हुआ। इस अवसर पर डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्य ममता यादव व पिडिलाइट इंडस्ट्रीज के निखिल माथुर दीक्षा समारोह में शामिल हुए। दीक्षा समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद् व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक व वित्त अधिकारी डा. विकास कुमार भी उपस्थित रहे।

ग्यारहवें दीक्षांत समारोह स्वर्ण पदक प्रदान करतीं प्रो . नीलिमा गुप्ता ● सौजन्यः हकेंवि

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय में प्राप्त ज्ञान को चुने हुए क्षेत्रों में सर्वोत्तम तरीके से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अर्जित ज्ञान का उपयोग समाज की सेवा के लिए भी किया जाना चाहिए। उन्होंने भविष्य को आकार देने में शिक्षा के महत्त्व पर भी जोर दिया और विद्यार्थियों से राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए अपने ज्ञान का उपयोग करने का आग्रह किया। प्रो. गुप्ता ने कहा कल के विकसित भारत के निर्माण का दायित्व आज के युवाओं के कंधों पर है। यह विश्वविद्यालय वर्ष 2009 में स्थापित अन्य विश्वविद्यालयों की तुलना में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। आयोजन में विशिष्ट अतिथि ममता यादव ने विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र के लिए विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने के लिए तैयार करने में शैक्षणिक संस्थान के महत्व पर जोर दिया। इसी क्रम में दूसरे विशिष्ट अतिथि निखिल माथुर ने विद्यार्थियों को नए विचारों और समाधानों को अपनाकर अपने-अपने क्षेत्रों में आगे रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने दीक्षा समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. नीलिमा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि ममता यादव व निखिल माथुर सहित सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में नए अध्याय की शुरुआत करेगा। कुलपति ने सभी शिक्षकों को भी उनकी मेहनत के लिए बधाई दी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारत के निर्माण में महिला शक्ति का अहम योगदान होने वाला है। उन्होंने हर्ष बताया कि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों में लगभग 50 प्रतिशत छात्राएं हैं।

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम है। हम कर्मयोगी बनकर विकसित भारत का सपना साकार कर सकते हैं।

49 को मिले स्वर्ण पदक व 1426 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेंवि के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में कुल 1381 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की गई। साथ ही 49 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत 570 तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 811 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। इसमें 49 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। 1426 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 779 छात्र और 647 छात्राएं शामिल हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 09-03-2025**

दीक्षा समारोह में स्वर्ण पदक पाकर खिले होनहारों के चेहरे

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में शनिवार को आयोजित ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की खुशी देखते ही बन रही थी। मेहनत का फल कैसा होता है। यह उनके दमकते चेहरों को देखकर सहज ही पता चल रहा था। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग थी।

दीपक वशिष्ठ

निकिता शर्मा

अब्दुल

रेनू कुमारी

चेतना सैनी

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग विभाग के अब्दुल ने कहा कि यह मेरे लिए बेहद खुशी का पल है। मैं अपने विभाग और सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त करता हूं, विशेष रूप से डा. अशोक कुमार और डा. नीरज करन सिंह का, जिनका मार्गदर्शन हमेशा मिला।

संस्कृत विभाग के दीपक वशिष्ठ ने कहा कि यह सफलता मेरे लिए अपेक्षित थी। मेरे प्रोफेसर डा. देवेंद्र सिंह राजपूत मेरे प्रेरणा स्त्रोत रहे हैं। मैं मानता हूं कि यदि शुरुआत से ही लक्ष्य तय कर लिया जाए, तो सफलता निश्चित होती है।

सांख्यिकी विभाग की रेणु कुमारी ने कहा कि यह मेरे लिए गर्व का क्षण था। फिलहाल, मैं केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा से पीएचडी कर रही हूं। मेरा मानना है कि महिलाओं को अपने लक्ष्य की ओर बिना रुके बढ़ते रहना चाहिए।

गणित विभाग की निकिता शर्मा ने बताया कि गणित में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना मेरे लिए जीवन के सबसे खास पलों में से एक है। मेरी प्रेरणा का स्त्रोत आईएएस टीना डाबी हैं।

रसायन विज्ञान विभाग की चेतना सैनी ने कहा कि उन्होंने नेट और गेट क्वालिफाइड किया है। वर्तमान में आईआईटी रुड़की से पीएचडी कर रही हैं। शुरुआत में टापर बनने का सपना नहीं था, लेकिन एकेडमिक्स में रुचि बढ़ती गई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Evening Mail **Date: 09-03-2025**

आज के युवाओं पर है कल के भारत के निर्माण का दायित्व-प्रो. नीलिमा गुप्ता

49 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 1426 विद्यार्थियों को मिली पीएच.डी., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

ई.मेल संवाददाता

महेंद्रगढ़, 8 मार्च। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में आज डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मुख्य अतिथि के तौर पर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्य सुश्री ममता यादव व पिडिलाइट इंडस्ट्रीज के निखिल माथुर दीक्षांत समारोह में शामिल हुए।

दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद् व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक व वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. नीलिमा गुप्ता ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें अपने सपनों को साकार करने और समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्राप्त ज्ञान को चुने हुए क्षेत्रों में सर्वोत्तम तरीके से लागू किया जाना चाहिए।

प्रो. गुप्ता ने कहा कि अर्जित ज्ञान का उपयोग समाज की सेवा के लिए भी किया जाना चाहिए। उन्होंने भविष्य को आकार देने में शिक्षा के महत्व पर भी जोर दिया और विद्यार्थियों से राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए अपने ज्ञान का उपयोग करने का आग्रह किया। प्रो. गुप्ता ने कहा कल के भारत के निर्माण का दायित्व आज के युवाओं के कंधों पर है।

उन्होंने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की प्रगति पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय वर्ष 2009 में स्थापित अन्य विश्वविद्यालयों की तुलना में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है।

आयोजन में विशिष्ट अतिथि सुश्री ममता यादव ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र के लिए विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने के लिए तैयार करने में शैक्षणिक संस्थान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि किस तरह हरियाणा के युवा विभिन्न क्षेत्रों में इसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसी क्रम में दूसरे विशिष्ट अतिथि श्री निखिल माथुर ने विद्यार्थियों को नए विचारों और समाधानों को अपनाकर अपने-अपने क्षेत्रों में आगे रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. नीलिमा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि सुश्री ममता यादव व श्री निखिल माथुर सहित सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में नए अध्याय की शुरुआत करेगा। कुलपति ने सभी शिक्षकों को भी उनकी मेहनत के लिए बधाई दी।

प्रो. टंकेशवर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारत के निर्माण में महिला शक्ति का अहम योगदान होने वाला है। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों में लगभग 50 प्रतिशत छात्राएं हैं।

कुलपति ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम है। हम कर्मयोगी बनकर विकसित भारत का सपना साकार कर सकते हैं। कुलपति ने कहा कि हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व ह्यूमन इंटेलिजेंस दोनों का सही प्रयोग करके तकनीक के क्षेत्र में अग्रणी देश बन सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के सपनों को पूर्ण करने एवं सामर्थ्य प्रदान करने में सहयोगी बने उनके

हकेंवि के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्रदान करते हुए प्रो. नीलिमा गुप्ता

माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई दी।

कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के 2365 से अधिक शोध-पत्र स्कोपस एवं वेब ऑफ साइंस पर उपलब्ध हैं और विश्वविद्यालय का एच इंडेक्स 65 है जो कि इसे देश के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की श्रेणी में ख? करता है। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के सहयोग से 31 रिसर्च प्रोजेक्ट्स पर कार्य कर रहा है।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय में शोध के विकास हेतु मैट्रो लैब, ईवी लैब, 5जी लैब की स्थापना भी की गई है। संसाधनों के विकास के स्तर पर विश्वविद्यालय को केंद्र सरकार से 273.47 करो? रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ है। साथ ही साथ विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को देखते हुए वर्ष 2024 में फिक्की द्वारा एमर्जिंग यूनिवर्सिटी ऑफ द ईयर का अवार्ड दिया गया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा के तीन पाठ्यक्रमों की भी शुरुआत हो गई है। इसके माध्यम से नियमित विद्यार्थियों के साथ-साथ पत्राचार के माध्यम से नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय से जु?ने का अवसर मिलेगा।

49 को मिले स्वर्ण पदक व 1426 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेंवि के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में कुल 1381 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियाँ प्रदान की गई। साथ ही 49 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत 570 तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 811 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई।

इसमें 49 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। 1426 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 779 छात्र और 647 छात्राएं शामिल हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Gurgaon Today **Date: 09-03-2025**

आज के युवाओं पर है कल के भारत के निर्माण का दायित्व : प्रो. नीलिमा गुप्ता

- **हकेवि के 11वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई प्रो. नीलिमा गुप्ता।**
- **49 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 1426 विद्यार्थियों को मिली पीएच.डी., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि।**

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के 11वें दीक्षांत समारोह का आयोजन शनिवार 8 मार्च को हुआ। इस अवसर पर डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्य सुश्री ममता यादव व पिडिलाइट इंडस्ट्रीज के श्री निखिल माथुर दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद् व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक व वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. नीलिमा गुप्ता ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें अपने सपनों को साकार करने और समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्राप्त ज्ञान को चुने हुए क्षेत्रों में सर्वोत्तम तरीके से लागू किया जाना चाहिए। प्रो. गुप्ता ने कहा कि अर्जित ज्ञान का उपयोग समाज की सेवा के लिए भी किया जाना चाहिए। उन्होंने भविष्य को आकार देने में शिक्षा के महत्त्व पर भी जोर दिया और विद्यार्थियों से राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए अपने ज्ञान का उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की प्रगति पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय वर्ष 2009 में स्थापित अन्य विश्वविद्यालयों की तुलना में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है।

आयोजन में विशिष्ट अतिथि सुश्री ममता यादव ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र के लिए विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने के लिए तैयार करने में शैक्षणिक संस्थान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि किस तरह हरियाणा के युवा विभिन्न क्षेत्रों में इसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसी क्रम में दूसरे विशिष्ट अतिथि श्री निखिल माथुर ने विद्यार्थियों को नए विचारों और समाधानों को अपनाकर अपने-अपने क्षेत्रों में आगे रहने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. नीलिमा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि सुश्री ममता यादव व श्री निखिल माथुर सहित सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया।

कुलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में नए अध्याय की शुरुआत करेगा। कुलपति ने सभी शिक्षकों को भी उनकी मेहनत के लिए बधाई दी। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारत के निर्माण में महिला शक्ति का अहम योगदान होने वाला है। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों में लगभग 50 प्रतिशत छात्राएं हैं। कुलपति ने कहा कि हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व ह्यूमन इंटेलिजेंस दोनों का सही प्रयोग करके तकनीक के क्षेत्र में अग्रणी देश बन सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के सपनों को पूर्ण करने एवं सामर्थ्य प्रदान करने में सहयोगी बने उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई दी।

कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के 2365 से अधिक शोध-पत्र स्कोपस एवं वेब ऑफ साइंस पर उपलब्ध हैं और विश्वविद्यालय का एच इंडेक्स 65 है जो कि इसे देश के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की श्रेणी में खड़ा करता है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय में शोध के विकास हेतु मैट्रो लैब, ईवी लैब, 5जी लैब की स्थापना भी की गई है। संसाधनों के विकास के स्तर पर विश्वविद्यालय को केंद्र सरकार से 273.47 करोड़ रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ है। साथ ही साथ विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को देखते हुए वर्ष 2024 में फिक्की द्वारा एमर्जिंग यूनिवर्सिटी ऑफ द ईयर का अवार्ड दिया गया।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा के तीन पाठ्यक्रमों की भी शुरुआत हो गई है। इसके माध्यम से नियमित विद्यार्थियों के साथ-साथ पत्राचार के माध्यम से नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

49 को मिले स्वर्ण पदक व 1426 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेवि के 11वें दीक्षांत समारोह में कुल 1381 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियाँ प्रदान की गई। साथ ही 49 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत 570 तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 8 11 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। इसमें 49 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। 1426 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 779 छात्र और 647 छात्राएं शामिल हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 09-03-2025**

49 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 1426 को मिली पीएचडी उपाधियां

खास बातें

- आज के युवाओं पर है कल के भारत के निर्माण का दायित्व : प्रो. नीलिमा गुप्ता
- हकेंवि के 11वें दीक्षांत समारोह में मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुई प्रो. नीलिमा गुप्ता

महेंद्रगढ़। हकेंवि के दीक्षांत समारोह स्वर्ण पदक प्रदान करती प्रो. नीलिमा गुप्ता।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह का आयोजन आठ मार्च को हुआ। इस अवसर पर डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मुख्यातिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्य ममता यादव व पिडिलाइट इंडस्ट्रीज के निखिल माथुर दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद् व विश्वविद्यालय

1426 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 779 छात्र और 647 छात्राएं शामिल

हकेंवि के 11वें दीक्षांत समारोह में कुल 1381 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की गई। साथ ही 49 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत 570 तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में 811 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। इसमें 49 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। 1426 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 779 छात्र और 647 छात्राएं शामिल हैं।

की कोर्ट के सदस्य, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक व वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार भी उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि प्रो. नीलिमा गुप्ता ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए उन्हें अपने सपनों को साकार करने और समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्राप्त ज्ञान को चुने हुए क्षेत्रों में सर्वोत्तम तरीके से लागू किया जाना चाहिए। प्रो. गुप्ता ने कहा कि अर्जित ज्ञान का उपयोग समाज की सेवा के लिए भी किया जाना चाहिए।

उन्होंने भविष्य को आकार देने में शिक्षा के महत्त्व पर भी जोर दिया और विद्यार्थियों से राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए अपने ज्ञान का उपयोग करने का आग्रह किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्यातिथि प्रो. नीलिमा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि ममता यादव व निखिल माथुर सभी अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में नए अध्याय की शुरुआत करेगा। कुलपति ने सभी शिक्षकों को भी उनकी मेहनत के लिए बधाई दी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारत के निर्माण में महिला शक्ति का अहम योगदान होने वाला है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haryana Pradeep **Date: 09-03-2025**

आज के युवाओं पर है कल के भारत के निर्माण का दायित्व- प्रो. नीलिमा

» विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्य सुश्री ममता यादव व पिडिलाइट इंडस्ट्रीज के निखिल माथुर रहे उपस्थित

महेंद्रगढ़ (हरियाणा प्रदीप)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्य सुश्री ममता यादव व पिडिलाइट इंडस्ट्रीज के निखिल माथुर दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद् व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक व वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. नीलिमा गुप्ता ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें अपने सपनों को साकार करने और समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्राप्त ज्ञान को चुने हुए क्षेत्रों में सर्वोत्तम तरीके से लागू किया जाना चाहिए। प्रो. गुप्ता ने कहा कि अर्जित ज्ञान का उपयोग समाज की सेवा के लिए भी किया जाना चाहिए। उन्होंने भविष्य को आकार देने में शिक्षा के महत्त्व पर भी जोर दिया और विद्यार्थियों से राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए अपने ज्ञान का उपयोग करने का आग्रह किया। प्रो. गुप्ता ने कहा कल के भारत के निर्माण का दायित्व आज के युवाओं के कंधों पर है। उन्होंने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की प्रगति पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय वर्ष 2009 में स्थापित अन्य विश्वविद्यालयों की तुलना में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। आयोजन में विशिष्ट अतिथि सुश्री ममता यादव ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र के लिए विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने के लिए तैयार करने में शैक्षणिक संस्थान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि किस तरह हरियाणा के युवा विभिन्न क्षेत्रों में इसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसी क्रम में दूसरे विशिष्ट अतिथि निखिल माथुर ने विद्यार्थियों को नए विचारों और समाधानों को अपनाकर अपने-अपने क्षेत्रों में आगे रहने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में नए अध्याय की शुरुआत करेगा। कुलपति ने सभी शिक्षकों को भी उनकी मेहनत के लिए बधाई दी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारत के निर्माण में महिला शक्ति का अहम योगदान होने वाला है। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों में लगभग 50 प्रतिशत छात्राएं हैं। हकेवि के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में कुल 1381 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियाँ प्रदान की गईं। साथ ही 49 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत 570 तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 811 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। इसमें 49 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। 1426 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 779 छात्र और 647 छात्राएं शामिल हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: India News Calling **Date: 09-03-2025**

11th Convocation Ceremony of Central University of Haryana

MAHENDERGARH, 08.03.25-The 11th Convocation of Haryana Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, was held on 8th March 2025 on the occasion of International Women's Day. On this occasion, Prof. Neelima Gupta, Vice Chancellor of Dr. Harisingh Gour University, Sagar, graced the event as the Chief Guest, while Ms. Mamta Yadav, Member of Haryana Public Service Commission, and Mr. Nikhil Mathur from Pidilite Industries Ltd. were the distinguished guests. Several distinguished dignitaries were also present at the ceremony.
Prof. Neelima Gupta extended her best wishes to all the degree recipients, and encouraged them to pursue their dreams and contribute positively to the society. She said that the knowledge gained in the University needs to be best applied in the chosen fields. She also said that the knowledge gained should also be best utilised for serving the society to become the responsible citizen. She also emphasized on the importance of education in shaping the future of oneself, family, society and nation. She urged the students to use their knowledge to make a significant contribution to the nation.
Distinguished guest Ms. Mamta Yadav addressed the students and emphasized on the importance of the educational institute in preparing the students for the society and nation to contribute in various fields. She also shared how Haryana youth has been an instrumental factor in its development in various fields. Mr. Nikhil Mathur of Pidilite Industeies Ltd. encouraged the students to stay ahead in their respective fields by embracing the new ideas and solutions.
Prof. Tankeshwar Kumar, presented an overview of the University's achievements and also welcomed all the dignitaries, guests, parents, staff and students. He congratulated all the students and researchers who received their degrees, stating that this day marks the beginning of a new chapter in their lives.
Prof. Tankeshwar Kumar also congratulated the faculty for their hard work and dedication. Prof. Tankeshwar Kumar, on the occasion of International Women's Day, acknowledged the vital role of women in the development of India, expressing pride in the fact that nearly 50% of the students enrolled at the University are female. He further stated that the youth have a significant role to play in building a developed India, and this can be achieved by becoming "Karmyogis."
The Vice Chancellor also shared the University's impressive progress, stating that the faculty members have published more than 2365 research papers in the Scopus and Web of Science indexed journals, and the university's h-index of 65. He said that the University is currently working on 31 research projects in collaboration with many national and international institutions. In addition to this, the University has established metro labs, EV labs, and 5G labs for research development. The University has received a grant of ₹273.47 crore from the central government for resource development. Furthermore, the University was awarded the "Emerging University of the Year" award by FICCI in 2024. The University has also introduced three distance education programs, offering students the opportunity to connect with the University through correspondence courses, in addition to the regular students.
The convocation ceremony was attended by members of the University's Executive Council, Academic Council, and Court, as well as Deans of various faculties, Registrar, the Controller of Examinations, Finance Officer, University Librarian, faculty, staff, students, and researchers from various departments of the University.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 09-03-2025**

मुख्य अतिथि ने कहा- राष्ट्र के निर्माण में योगदान दें युवा

आज के युवाओं पर है कल के भारत का निर्माण

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्य सुश्री ममता यादव व पिडिलाइट इंडस्ट्रीज के निखिल माथुर दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद् व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक व वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. नीलिमा गुप्ता ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें अपने सपनों को साकार करने और समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्राप्त ज्ञान को चुने हुए क्षेत्रों में सर्वोत्तम तरीके से लागू किया जाना चाहिए। प्रो. गुप्ता ने कहा कि अर्जित ज्ञान का उपयोग समाज की सेवा के लिए भी किया जाना चाहिए। भविष्य को आकार देने में शिक्षा के महत्त्व पर भी जोर दिया और विद्यार्थियों से राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए अपने ज्ञान का उपयोग करने का आग्रह किया। प्रो. गुप्ता ने कहा कल के भारत के निर्माण का दायित्व आज के युवाओं के कंधों पर है। उन्होंने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की प्रगति पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय वर्ष 2009 में स्थापित अन्य विश्वविद्यालयों की तुलना में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। आयोजन में विशिष्ट अतिथि सुश्री ममता यादव ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र के लिए विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने के लिए तैयार करने में शैक्षणिक संस्थान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि किस तरह हरियाणा के युवा विभिन्न क्षेत्रों में इसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसी क्रम में दूसरे विशिष्ट अतिथि श्री निखिल माथुर ने विद्यार्थियों को नए विचारों और समाधानों को अपनाकर अपने-अपने क्षेत्रों में आगे रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

हकेंवि के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह स्वर्ण पदक प्रदान करतीं प्रो. नीलिमा गुप्ता। (छाया: पंजाब केसरी)

49 को मिले स्वर्ण पदक 1426 छात्रों को मिली उपाधियां

हकेंवि के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में कुल 1381 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की गई। साथ ही 49 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत 570 तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 811 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। इसमें 49 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। 1426 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 779 छात्र और 647 छात्राएं शामिल हैं।

पंजाब केसरी
Sun, 09 March 2025
https://mpaper.punjabkesari.com/c/76945463